प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी
PROF. SUNIL BABURAO KULKARNI
निदेशक
DIRECTOR

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
केंद्रीय हिंदी निदेशालय
CENTRAL HINDI DIRECTORATE
शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF EDUCATION
(उच्चतर शिक्षा विभाग)
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

शुभाशंसा

कहहि संत मुनि वेद पुराना। नहि कछु दुर्लभ ज्ञान समाना।

विश्व हिंदी परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में आजादी के अमृतोत्सव के उपलक्ष्य में " राष्ट्र कवि दिनकर: हिंदी और राष्ट्र वाद " विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 20-21 सितंबर 2023 विज्ञान भवन नई दिल्ली में हो रहा है ।

अपने पूर्वजों की ज्ञान संपदा और संस्कृति को विरासत के रूप में बचाए रखना हमारा पावन एवम् पुनीत कर्तव्य है। आने वाली पीढ़ी यदि अपने पूर्वजों की विरासत को बचा नहीं सकेगी तो उसका भविष्य अंधकारमय होगा।पूर्वजों का संचित ज्ञान वैभव ही हमारी विरासत है और इसे अक्षुण रखना हमारा दायित्व है। अपने अतीत का ज्ञान , वर्तमान का प्राण और भविष्य का निर्माण करता है। द्विवेदी युग के राष्ट्रकवि गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' ने 'स्वाभिमान और स्वदेशाभियान' शीर्षक कविता में इसका संकेतन किया है:-

जिसको न अपने बंधुओं के, दुःख सुख का ध्यान है।
जिसको न अपने पूर्वजों की, कीर्ति का कुछ ज्ञान है।
जिसको न अपनी हीनता पर, शोक खेद महान है।
जिसको नहीं खलता कभी, संसार में अपमान है।
जिसको न निज गौरव तथा, निज देश का अभिमान है।
वह नर नहीं, नर-पशु निरा, और मृतक समान है।

ख्याल लावनी की कविता इस संस्थान के मन और मिजाज को व्यक्त करने में समीचीन है कि:-

नए कमरों में अब चीजें पुरानी कौन रखता है! परिंदों के लिए प्यालों में पानी कौन रखता है!
एक हम हैं जो संभाले हैं विरासत को, वरना सलीके से बुजुर्गों की निशानी कौन रखता है!

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को शाश्वतता प्रदान करने के लिए इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन हो रहा है- यह प्रसन्नता और गौरव का संदर्भ है। किसी संगोष्ठी की स्मारिका वहाँ की कारयित्री और भावयित्रीं प्रतिभा का द्योतक होती है। यह विश्व हिंदी परिषद विगत अनेक वर्षों से भारतीय विद्या के संरक्षण और प्रचार प्रसार के लिए कृत संकल्पित है।संगोष्ठी की सफलता और स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए इसके अध्यक्ष एवं संकल्पक डा विपिन कुमार सहयोगी डा जंग बहादुर पाण्डेय (रांची)एवं आयोजक मण्डल को मेरी अनंत शुभकामनाएं हैं:-

मिले सदा शुभ हर्ष आपको, नहीं कभी आए अपकर्ष।
सतत् सुधा साहित्य प्रवाहित, लिखे लेखनी यश उत्कर्ष।

शुभेच्छी

प्रो डा सुनील बाबुराव कुलकर्णी
निदेशक
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
चलभाष:-9422217600
14 सितंबर 2023 हिंदी दिवस